(Answer No 7)

इस बॉयलर का मुख्य अंग इसका बाहरी स्वरूप है। अर्ध गोलीय स्वरूप के साथ एवं बड़े बेलनाकार खोल के समान होता है।

खोल के निचले भाग पर भट्ठी होती है। जिसले राख - गर्त तथा ज्वाली बनी होती है। भट्ठी में उपजी गन्ध गैसे पाइप से होकर दहन-कक्ष में आती है।

और चिमनी द्वारा वायुमण्डल में निकल जाती है। फलस्वरूप खोल में भरा पानी गर्म हो जाता है। और भाप बनती है। खोल के अर्ध - शीर्ष पर भाग में यह भाप एकत्रित हो जाती है। जहा से रोक वाल्व के द्वारा इसे उपयोग के लिए भेज दिया जाता है।